कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 45 कानपुर, सोमवार 12 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

65 फसलों की 109 वैरायटी देश को की समर्पित के वी के पर किसानों ने देखा प्रसारण

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का किसानों को सजीव प्रसारण दिखाया गया । इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए जलवायु अनुकूल विकसित किए गए विभिन्न फसलों के 109 बीजों की किस्मों को मा. प्रधान मंत्री जी ने जारी किया7 उन्होंने बताया कि अनाज की 23 किस्में, चावल की नौ, गेहूं की दो, जौ की एक, मक्का की छह, ज्वार की एक, बाजरा की एक, रागी की एक, चीना की एक, सांबा की एक, अरहर की दो, चना की दो, मसूर की तीन, मटर की एक, मूंग की दो, तिलहन की सात, चारा और गन्ना की सात-सात, कपास की पांच, जूट की एक और बागवानी की 40 किस्में शामिल हैं। देश के वैज्ञानिकों ने शोध कर धान की ऐसी किस्म खोजी है, जो अधिक उत्पादन देती है और इसे 20 प्रतिशत कम पानी की जरूरत होती है। कीटों का प्रकोप कम करने के लिए भी प्रयास किए गए हैं। इसी उपलक्ष्य में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बताया की मिलेट किसानों की कमाई से लेकर सेहत बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. मोटे अनाज यानी कि श्री अन्न में ऐसे कई पोषक तत्व पाए

जाते हैं जो किसी अन्य अनाज में नहीं होते. इसकी खेती भी आसानी से की जा सकती है. यहां तक कि सूखा क्षेत्र भी इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। इसी उपलक्ष्य में धान में खरपतवार के प्रबंधन हेतु बेस्पाइरिबैक सोडियम दवा का वितरण भी किया अनुसूचित व अन्य को मिला कर 50 लोगो को वितरित किया गया 7 सोडियम बिस्पायरीबैक का कार्बनिक सोडियम लवण है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ अरुण सिंह, डॉ खलील खान, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी, शोध सहायक शुभम यादव, व गौरव शुक्ला के अतिरिक्त सहतावन पुरवा, प्रतापपुर, ज्योंति व फंदा इत्यादि के 70 से अधिक कृषकों ने प्रतिभाग किया।

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फतेहाबाद, एटा से प्रसारित

मूल्य रू0 2.00 कानपुर,सोमवार 12 अगस्त,2024 (Email: updeshtimesn

डा अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में प्रवेश प्रारम्भ

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स

सीएसए के अधीन संचालित बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा में बी0टेक0 कृषि इंजीनियरिंग, डेयरी टेक्नी0, बी0एफ0एसी0 तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 तथा बी0टेक0 इलैक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजी0, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियर व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेई मेन्स के माध्यम से किया जा रहा है एकेटीयू के माध्यम से 06 अगस्त 2024 से प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं एकेटीयू द्वारा जारी वेबासाइट के माध्यम से प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्रायें अपना पंजीकरण एवं आवश्यक औपचारिक्तायें पूर्ण कर सकते है। इसी प्रकारी बीटेक कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बीएफएसी तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 द्वारा जारी वेबसाइट के माध्यम से द्वितीय काउन्सिलिंग में भाग लेकर पूर्ण किया जा सकता है इस महाविद्यालय में वाईफाई एवं सिंगल सीटे रूम एवं सरकार द्वारा मानकों के अनुरूप छात्रवृत्ति की विशेष सुविधा प्राप्त है विशेष जानकारी के लिये अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण संकाय के दूरभाष नम्बर 9411869189 एवं महाविद्यालय के नोडल अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है।

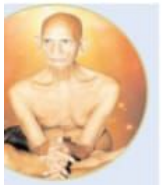

LKO-1.pdf

श्री सन्मतिसागरजी महाराज

04 प्रदेश, 06 संस्करण

अमर भारती

एक उम्मीद

...नऊ, वर्ष: 13, अंक: 224, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455

www.amarbharti.com

सोमवार, 12 अगस्त 2024 शक सम्वत् 1946, श्रावण शु...

देश को 65 फसलों की 109 वैरायटी की समर्पित

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का किसानों को सजीव प्रसारण दिखाया गया । इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए जलवायु अनुकूल विकसित किए गए विभिन्न फसलों के 109 बीजों की किस्मों को मा. प्रधान मंत्री जी ने जारी किया। उन्होंने बताया कि अनाज की 23 किस्में, चावल की नौ, गेहूं की दो, जौ की एक, मक्का की छह, ज्वार की एक, बाजरा की एक, रागी की एक, चीना की एक, सांबा की एक, अरहर की दो, चना की दो, मसूर की तीन, मटर की एक, मूंग की दो, तिलहन की सात, चारा और गन्ना की सात-सात, कपास की पांच, जूट की एक और बागवानी की 40 किस्में शामिल हैं। देश के वैज्ञानिकों ने शोध कर धान की ऐसी किस्म खोजी है, जो अधिक उत्पादन देती है और इसे 20 प्रतिशत कम पानी की जरूरत होती है। कीटों का प्रकोप कम करने के लिए भी प्रयास किए गए हैं। इसी उपलक्ष्य में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बताया की मिलेट किसानों की कमाई से लेकर सेहत बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. मोटे अनाज यानी कि श्री अन्न में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो किसी अन्य अनाज में नहीं होते. इसकी खेती भी आसानी से की जा सकती है. यहां तक कि सूखा क्षेत्र भी इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। इसी उपलक्ष्य में धान में खरपतवार के प्रबंधन हेतु बेस्पाइरिबैक सोडियम दवा का वितरण भी किया अनुसूचित व अन्य को मिला कर 50 लोगो को वितरित किया गया। सोडियम बिस्पायरीबैक का कार्बनिक सोडियम लवण है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ अरुण सिंह, डॉ खलील खान, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी, शोध सहायक शुभम यादव, व गौरव शुक्ला के अतिरिक्त सहतावन पुरवा, प्रतापपुर, ज्योंति व फंदा इत्यादि के 70 से अधिक कृषकों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष : 6 अंक : 242 जौनपुर सोमवार, 12 अगस्त 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य : 4 रूपये

RNI NO : UTTHIN/2018/76731

www.thegramtoday.com

दि ग्राम टुडे

गांव देहात की खबर,शहर पर भी नजर

मौसम

मूल्य ₹4

प्रधानमंत्री जी ने 61 फसलों की 109 वैरायटी देश को की समर्पित , के वी के पर किसानों ने देखा प्रसारण

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर पर आज मा.प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का किसानों को सजीव प्रसारण दिखाया गया । इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए जलवायु अनुकूल विकसित किए गए विभिन्न फसलों के 109 बीजों की किस्मों को मा. प्रधान मंत्री जी ने जारी किया उन्होंने बताया कि अनाज की 23 किस्में, चावल की नौ, गेहूं की दो, जौ की एक, मक्का की छह, ज्वार की एक, बाजरा की एक, रागी की एक, चीना की एक, सांवा की एक, अरहर की दो, चना की दो, मसूर की तीन, मटर की एक, मूंग की दो, तिलहन की सात, चारा और गन्ना की सात-सात, कपास की पांच, जूट की एक और बागवानी की 40 किस्में शामिल हैं। देश के वैज्ञानिकों ने शोध कर धान की ऐसी किस्म खोजी है, जो अधिक उत्पादन देती है और इसे 20 प्रतिशत कम पानी की जरूरत होती है।

कीटों का प्रकोप कम करने के लिए भी प्रयास किए गए हैं। इसी उपलक्ष्य में कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा एक गोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बताया को मिलेट किसानों की कमाई से लेकर सेहत बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. मोटे अनाज यानी कि श्री अन्न में ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो किसी अन्य अनाज में नहीं होते. इसकी खेती भी आसानी से की जा सकती है. यहां तक कि सूखा क्षेत्र भी इसकी खेती के लिए उपयुक्त हैं' इसी उपलक्ष्य में धान में खरपतवार के प्रबंधन हेतु बेस्पाइरिबैक सोडियम दवा का वितरण भी किया अनुसूचित व अन्य को मिला कर 50 लोगो को वितरित किया गया सोडियम बिस्पायरीबैक का कार्बनिक सोडियम लवण है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ अरुण सिंह, डॉ खलील खान, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी, शोध सहायक शुभम यादव, व गौरव शुक्ला के अतिरिक्त सहतावन पुरवा, प्रतापपुर, ज्योति व फंदा इत्यादि के 70 से अधिक कृषकों ने प्रतिभाग किया

Wednesday Times
National News paper

10:05 pm

Admission process started in Baba Saheb Dr. Bhim Rao Ambedkar Agricultural Engineering and Technology College, Etawah

MASOOD TAIMURI(**WednesdayTimes**)

Admission of students of B.Tech Agricultural Engineering, Dairy Technology, B.F.Sc and M.Tech Agriculture and Mechanical Engineering in Baba Saheb Dr. Bhim Rao Ambedkar Agricultural Engineering and Technology College, Etawah, operated under Etawah Chandrashekhar Azad Agricultural and Technology University Kanpur, is being done through UPCATET-2024 and admission of students of B.Tech Electronics and Communication Engineering, Computer Science and Engineering and Mechanical Engineering is being done through AKTU JE Mains. Admissions have started from 06 August 2024 through AKTU. Students wishing to take admission can complete their registration and necessary formalities through the website (https:uptac.admission.nic.in) issued by AKTU. Similarly, admission of students of B.Tech. Agricultural Engineering, Dairy Technology, B.F.Sc. and M.Tech. Agriculture and Mechanical Engineering can be completed by participating in the second counseling through the website (htpps://upcatet.org) released by UPCATET-2024. This college has special facilities of WiFi and single seat rooms and scholarship as per the standards of the government. For special information, you can contact the telephone number 9411869189 of the Dean, Faculty of Agricultural Engineering and the nodal officer of the college.

10:07 pm

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 45 कानपुर, सोमवार 12 अगस्त 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

डा अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा में बी0टेक0 कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बी0एफ0एसी0 तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 तथा बी0टेक0 इलैक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजी0, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी0 व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेई मेन्स के माध्यम से किया जा रहा है। एकेटीयू के माध्यम से 06 अगस्त 2024 से प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं। एकेटीयू द्वारा जारी वेबासाइस (https:uptac.admission.nic.in) के माध्यम से प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्रायें अपना पंजीकरण एवं आवश्यक औपचारिक्तायें पूर्ण कर सकते है। इसी प्रकारी बी0टेक0 कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बी0एफ0एसी0 तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट- 2024 द्वारा जारी वेबसाइट (htpps://upcatet. org) के माध्यम से द्वितीय काउन्सिलिंग में भाग लेकर पूर्ण किया जा सकता है। इस महाविद्यालय में वाईफाई एवं सिंगल सीटे रूम एवं सरकार द्वारा मानकों के अनुरूप छात्रवृत्ति की विशेष सुविधा प्राप्त है। विशेष जानकारी के लिये अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण संकाय के दूरभाष नम्बर 9411869189 एवं महाविद्यालय के नोडल अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है।

मौसम
अधिकतम तापमान 33 .c
27 .c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 74.755 g
चांदी 91.150 kg
सेंसेक्स 79,441.45

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

04 वक्फ बोर्ड की आड़ में जमीन कब्जाने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी

जाह्नवी को पंसद नहीं आय

वर्ष :10 अंक :192 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ , सोमवार 12 अगस्त 2024 पृष्ठ : 08

डा अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

कानपुर ,सीएसए के अधीन संचालित बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा में बी0टेक0 कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बी0एफ0एसी0 तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 तथा बी0टेक0 इलैक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजी0, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी0 व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेई मेन्स के माध्यम से किया जा रहा है। एकेटीयू के माध्यम से 06 अगस्त 2024 से प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-224 सोमवार, 12 अगस्त 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4 मूल्य

बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

कानपुर न्यूज़
अनवर अशरफ

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा में बी0टेक0 कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बी0एफ0एसी0 तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 तथा बी0टेक0 इलैक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजी0, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी0 व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेई मेन्स के माध्यम से किया जा रहा है। एकेटीयू के माध्यम से 06 अगस्त 2024 से प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं। एकेटीयू द्वारा जारी वेबासाइस के माध्यम से प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्रायें अपना पंजीकरण एवं आवश्यक औपचारिक्तायें पूर्ण कर सकते है।

इसी प्रकारी बी0टेक0 कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बी0एफ0एसी0 तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 द्वारा जारी वेबसाइट के माध्यम से द्वितीय काउन्सिलिंग में भाग लेकर पूर्ण किया जा सकता है। इस महाविद्यालय में वाईफाई एवं सिंगल सीटे रूम एवं सरकार द्वारा मानकों के अनुरूप छात्रवृत्ति की विशेष सुविधा प्राप्त है। विशेष जानकारी के लिये अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण संकाय के दूरभाष नम्बर 9411869189 एवं महाविद्यालय के नोडल अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है।

email: shahardayaranews@gmail.com

दैनिक

शहर दायरा न्यूज़

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 351 | कानपुर, सोमवार 12 अगस्त 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

डा अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

कानपुर-सीएसए के अधीन संचालित बाबा साहब डा0 भीम राव अम्बेडकर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, इटावा में बी0टेक0 कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बी0एफ0एसी0 तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 तथा बी0टेक0 इलैक्ट्रानिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इंजी0, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियर व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों का प्रवेश एकेटीयू जेई मेन्स के माध्यम से किया जा रहा है एकेटीयू के माध्यम से 06 अगस्त 2024 से प्रवेश प्रारम्भ हो गये हैं एकेटीयू द्वारा जारी वेबासाइस (https:uptac.admission.nic.in) के माध्यम से प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र-छात्रायें अपना पंजीकरण एवं आवश्यक औपचारिक्तायें पूर्ण कर सकते है। इसी प्रकारी बीटेक कृषि इंजीनियंरिंग, डेयरी टेक्नी0, बीएफएसी तथा एम0 टेक0 कृषि एवं मैकेनिकल इंजी0 के छात्रों का प्रवेश यूपीकैटेट-2024 द्वारा जारी वेबसाइट (htpps://upcatet.org) के माध्यम से द्वितीय काउन्सिलिंग में भाग लेकर पूर्ण किया जा सकता है इस महाविद्यालय में वाईफाई एवं सिंगल सीटे रूम एवं सरकार द्वारा मानकों के अनुरूप छात्रवृत्ति की विशेष सुविधा प्राप्त है विशेष जानकारी के लिये अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण संकाय के दूरभाष नम्बर 9411869189 एवं महाविद्यालय के नोडल अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है।